

सुखा नी कीठ ३, मदि

पिठोपति

PITHOTPATI

आशुभ संकेत

2479

I

ASHA ARCHIVES

घाख

दैत्यलोक

ॐ श्री ग (हा) य नमः ॥ श्री स्वस्त्य नमः ॥ ॥ पीठया ख ॥ श्री महादवन संगीः
दवीया धनी न. लूकू चिदा उ पृथिवी स ग्रमल पाठा रु उ गुरव. बुझान टटिडा
कानिदवता पनित कनै ॥ रादवला कजिन खकुता कन दद धर्क आह्लाद य
कलै ॥ टटिडा काटिदवताने वझा या कविं नितियार्त ॥ रापिताम ह आह्लाद य कि
उ. संगीदवीया धनी न. महादवन लूकू चिदा उ क्काय पृथिवी स ग्रमल पाठा रु
लध गुसकर्ता आह्लाद य कमाल धर्क दवता पनिसन शल सांविन नितियार्त ॥ ॥
धनी लि वझान शल सा संगीदवीया गुरव स कर्ता आदि निर्य कनै ॥ रादवला क
उक चिरया दा उ दद धर्क आह्लाद य कलै ॥ उलै लि. पीठ उरु हि रु उ गुरव कनी ॥
ख

पाथ

श्रीमहादेवतजुलकमतदातागयाप्रसवत्तुहृयातावाकदसतीदवीयामरु
कहात्रीनलूकनचिहाताकलहासगीरधकहालाताखायाताकल॥ धर्नलिदवता
पनिसनरुलसांमहादेवथथकातमतताधकदवतापनिससाकृतियाईतावि
पूनरुलसांमायानअधरातिनीदायकातासगीदवीयाहात्रीनसअखरातिनी
नखिरातकातागुदायकल॥ धर्नलिसगीदवीयाहात्रीनप्यताप्यताकृतितान
॥ धर्नलिसगीदवीयाहात्रीनकृतितासंगनगनरुगअनअनवक्रानस्ययहलि
गकुगुलिश्कापनायाहाताविश्रात॥ ॥ द्वापांऊं कामरुससगीदवीयानग
लूकगीनतानथसऊं कामरुपीठउस्रिहृयाताश्रीकामाकादवीधकधीविक

लि

तयाग्निष्टीवन्दस्वत्रययानामग्रामहादवउत्पत्तिरुयाउग्नित्वष्टाकिस्वतृपश
 याउविश्वार्त॥धनंलिथगुलीस्नानसपुन्यरुमीरुलै.हनैथस्नानसगथीदधाल
 साज्जीमनाहनथस.हनैथगुलीस्नानसगम्भाह्नादाउवाढधस्नानसज्जिसुन्द
 नदहाकगुलीदस्येवाढ.धदहायानाम.कामत्रधर्कधदहासवाढस्तीजनसकल्य
 ॐस्वनीयाज्वगानरुस्येवाढस्तीजनपिंयाफरुयाउवाढ.ज्जिजालमानरुयाः
 उवाढ.साक्षात्.कामादादवीधर्कपी०प्रक्षानरुयाउवाढ.धगुलिस्नानस.स्वर्गः
 न.यदकिंनत्रपिंकराउयाउतपस्यायातउलै.कुरुयादीनस.ष्टीकामादादवीप
 नकरुयाउ।आहादयकलै.रायदुर्गधर्व.कपनीसुगपस्यानकिज्जीखसिश्यधू

जा४

२
पीथ

ना. कृपतिस्तु वनदानकाठाधर्क. आह्लादयकलं. धनलीलि. यद्गगभर्वपतिस्तनरुलसा
मनसमहाहर्षमानयादाठाविनतियाती॥ रापनम. ध्वत्रीकि. पतिस्तु वनदानमवगा
हानमषूकधालसा. स्वर्गमध्वपागालसं. यद्गगभर्वधर्क. नृयगीतसनामप्रदान
शयकं प्रसन्नशयमालधर्कविनतियाती॥ धनलीलिदवीनरुलसा. आह्लादयकलं. क
पतिस्तनधाकावियधूनाधर्क. आह्लादयकाठा. अन्धमानशयाठाविशानं. धपतिस्तन
रुलसा. धाउ. धापचात्रहापूजायादाठा. रुका. कृपध्वानसा. पुषार्थनायादाठा. धाउ. धा
संचानं. ठानं॥ १॥ धनलीलिहर्षसगीदवीयाहारीनकृति. ठा. दध्वस. कामनूनविश्व
वलस. नपालरुमीस. धाउ॥ नपालगधीदधालसा. स्वर्गगुवन. धं. अतिमनाहन

ह्यानश्याउवाढथर्थिगुनपालसवाग्मनीष्टिवगम्मादाउवाढ.वाग्मनी
यागीनसुहारैमांतकवनकुमूलीदक्ष्यवाढ.थवनयासीस.वाग्मनीयातीनस
लातर्कगुम्फुगीदुजान॥थगुथयसंष्टानपालध्वनीपी०धर्कउत्पलिरुयाउ
ष्टी३गुम्फुध्वनीदवीधर्कनामप्रकाशकूलःष्टीचन्द्रध्वन्यागिनी.ष्टीसिद्धियाः
गिलिङ्गध्वननाम.महादवउत्पलिरुयाउ.ष्टीवडाकिध्वनूपरुयाउविश्रानं
॥थर्थिगुनपालचगुर्दहारवनयासिनंष्टीष्टरुयाउवाढ.हर्नपृथिवीदकायाः
सिनंमहाउलूमरुयाउवाढ.हर्नसुवर्णपूतनामनगत्रकुमूलीदक्ष्यवाढ.ष्टीषः
मांतकवनउ.सुवर्णपूतउदधून.वाग्मनीविश्रादाउवाढ॥हर्नवाग्मनीउ.सुव

ई पून उदधू सः श्रीम ग ष्वनः श्री वाल सुखी श्री व क द न ग (दा हा) श्री सिद्धि आति लि
ग ष्वन महा द व वि आ हा उ वा द ॥ ह न ट टी व का टि द व ता पि नः थ स र वि आ हा
उ वा द थ र्थि गु म हा पू न्य रू मी प षु प नि क य ध कं ॥ ॥ थ न लि गु ष्व न ती पी ० सः
मा न का ग हा र न व ग हा द स वा द ह न या गि नी ग हा न द ला उ वा द ॥ थ र्थि गु गु ष्व
नी पी ० सः ॥ न्दा दि द व ला क प नि उ या उ ग प स्या या न ॥ कू दू या दी न सः श्री ष्व न ती प
ग क श या उ आ हा द य क ल र द व ला क कू प नि स न ग प स्या या क रा उ रु कि ख दा उ डि
अ नि स ग रा ख श य धू ना ॥ कू प नी स म न स कू का म ना रु ल उ गु धा उ ध क आ हा द य क
ल ॥ थ न लि द व ला क न रु ल स वि न ति या नः रा ष्व न ती गु ष्व न ती द वी डि प नि स न

द्वत्ताकयाखातस्वयाडि३

रुकाजयध्यानस्तोत्रार्थनायादाउवनधसहाक

ॐ देव

भवनाचरुनः सत्यः एतादृशपत्रकलिङ्गगन्धपगुलिङ्गसंदवलाकश्यावानद
यकंरुनं धूलिडिपनिगवत्रदानविस्विष्टायमालधकंविनगियार्गं॥ धनंलिद
वीनरुलसां वियधनाधकं आह्लादयकलं॥ धनंलिदवलाकयामनसमहाहर्षमा
नयादाडा, धाउरुमपचात्रहापूजायादाडा, दवीयाकवजकायाडा, थडाश्राधमः
संविष्टार्गं॥ धनंलिदवीनं अकध्वातश्याडाविष्टार्गं॥ ॥ धनंलिहर्नगुलिचि
नं कालउसंलि, धीयालागि नध्वनध्रीनात्रायहायाग, मूनामूत्रदेह्यन
यालागिनिपर्वनलाहाडाहंकागीनश्लोयनं दूर्बलसं, धीचगुनात्राः
यनेनरुलसां आडा किगनं उरवलाधकं मनस अनी धंधा श्याडाडा पाथ

利

यायहमसियाउः दासाग्रीपर्वगर्नकाहाविशाहाउ (७) षमाककव
नमत्थेनकलविशाहाउग्रीगुअध्वनीदवीयाऊपध्मानयाहाउगप
सायाहाउविशान ॥ थनलिग्रीगुअध्वनीप्रगदरुयाउः आरुदयव
लराग्रीनात्रायहचुनकुनिमिहिनडिकनपसायाहाधकं चनकुअ
वस्त्ररुलउगुलिधउधउधकं आरुदयकलं थआरुदहाउग्री
नात्रायहचनरुलसां लाहानहाऊलपाउविनतियागं रापनमध्वनी
रवानीदवीडिगुदुष्वभवनामखूकु धलसापापिष्टमनामनदेखन
डिगुलि दासाग्रीपर्वगहाहाउहाकारिंकायधकं पृथिवीनार्यदासा

यमानइयकंसदाउचान.धखदाउडिहाचिर्नग्गदाउ.मनसप्रास
वायाउ.कृष्णलकसननउयाधकविनगियार्न॥धर्नलिष्टीगुयः
ध्वनीदवीरुलसीअहादयकल.रातानायध.कृष्णप्रासवायमूमा
ल.कृष्णनीननडिउत्पतिरुउवापिष्ठमनासनसंहात्रयादाउविः
य.आउकृष्णगवलीउदाउधीआतिलिगध्वनयानखवनविद्वनध ५
कंआहादयकाउ.कृष्णकृष्णसंखाकायमूमासधकंआहादयकाउअ
नक्षानयादाउविआर्न॥धर्नलिष्टीनानायदानरुलसीमृगवलीविआः
दाउ.धीआटिलिगध्वनयाचनेमसरोकपूयाउ.धीआटिलिगध्वनः ॥ ५ ॥

कायना २

यादुता नवादाता विनगियातः शपत्रमध्वनधीनूदः पापिष्ठमूत्रदाः
नवनजिगुलिदोलायीपर्वनरुदाता हकारिनिधकः कुलपालयाकवि
नगियानतायाधकः लाहानहोऊलपाता आह्लादयकलं ॥ धनंलिः धी
महानूदनरुलसां आह्लादयकलं राधामहाविष्ककुलयाकु रुनास
वाथमम्वालः अवस्यनं जितायाता स्वर्गमध्वपाता लनं कुस्वाइयक
वीदतायथुकाः कुकुहनासवाप्रमम्वालः कुनमनस आनंदयादाताम्
ष्वनवानरुनिधकः आह्लादयकलं धनं धीमहानूज्राह्लाददाता धीम
हाविष्कनरुलसां चनूदसराकपूयाता वताकायाता मनस आनंद
इयार

यादाडा अन्ननंदालाग्रीपर्वतविश्रान्तमध्वनलिष्ठीमहादेवनरुलसीष्ठी
 नात्रायदायानिमिलिनदालाग्रीपर्वतसविश्रादाडास्वर्गमध्यपागा
 लसंस्तुत्याशयकंविश्रान्तमध्वनलिकीलध्वनधकंनामप्रकाशकशयः
 काडाविश्रान्तमध्वनपत्रमध्वनीनरुलसीष्ठीनात्रायदायाधनीननवि
 हाडायाडापापिष्टमनासुनदानवभाचकाडाविश्रान्तमध्वनिकृष्णी
 पत्रमध्वनीष्ठीगुक्कध्वनीपीठधकंनामप्रकाशकशयकाडाविश्राकथ
 कृष्णीध्वननअन्नगवनदानवियाडाविश्राकथनलिट्टीहाकाटि
 देवगासनूकपिंगमाकविद्याडाअसुनदानवपनिमाचकाडा न पीथ

ॐ

५२

पालं ध्वनी धर्कं नाम प्रदीपं शयका उः श्री आटिलि (ग ध्वननामः)
 व धीवहाकि ध्वनूप शया उ विज्ञानं ॥ ॥ धनं लिखका धुवनी नथस
 वा नान धी धर्कं पी ० उत्पत्ति रुलं ॥ धी विसाला दी दवी धी संका या गिनीः
 धी विलेखनं नामः महादव उत्पत्ति रुया उः धी वहाकि ध्वनूप शया उः
 विज्ञानं ॥ ध्वनूप स महापू न्य रुमी रुलं ॥ गधिं गुवा नान सी धलसाः
 ऊगत्सं सान प विप्र या दा उ मा रु विया उ विज्ञाकः ध्वनूप स न रागीः
 न धी गं ग विज्ञा दा उ चादः स्वर्न मध्व पा नाल सं नाम प्रदीपं शया उः

द. हनं उग्रवाहिनीशुयाडा. वृत्तकनक्काडाडाविआक. हनं जलजं गुदकाया
 नवासवियाडाविआक. धर्षिगुधनवानानसीकप्रसहं नवसहिगयाडाडा
 विआनं॥ ॥ धूगुवानसीकप्रसहं नन. गन्धर्वघनि. अयसनापनिडाया
 डा. महालाडाप्याखनकयाडा. नपस्यायाडाडाधानं. धनं लिच्छकयादीनसः
 ग्रीपत्रमध्वनीखसिशुयाडा. प्रतकशुयाडा. आसदयकल. हाअयनागंध
 र्वकमिसन. जि. कसिवायाकगादता. कमीसमनसकृ. काशलउगुधडा
 धर्कआसदयकाडाविआनं॥ धनं लिगंधर्वअयनापनिसमहाद

श्रीग्री१

मा२

यादा उाविनगियानं हपनमध्वनी तादीदवी. किमीसवाक सिद्धिइय
कवलप्रसादविस्थविश्रायमानंधकं हानं॥ धनं लिष्टीवी तादीदवी न
इलसां वियधनाधकं आह दयका उा अं नध्वनयादा उा विश्रानं॥ धनं
लिगंधर्व अष्टनापनिस्वर्गनाहा उानं॥ ३॥ ॥ धनं लिऊ उा दस्यनकूनी
नडाकथासं पो उवन्धधयोपी ० उत्पनिइलं श्री अम्बिकादवी चन्द्रवंगया
गिनी श्री धर्मध्वनमहादेव उत्पनिइलं. शिवहाकिस्वतूपश्या उा विश्रानं
॥ धुगुथसपूष्यसुमिश्रलं. ध्वक अम्बिकादवी. जलामंदना जाया ॐ एद
यताइया उा विश्राक. थर्थि द्वापनमध्वनी धकं स्वर्गमेध्वपानालसं नाम

पुद्गलक श्याउ विष्णु क शला ॥ धनं लिख्य धन सदैव गन पतिताया उगप स्या
 या का उवा नी ॥ चक्र या दीन स अम्बिका दवी खसि श्या उ प्रग क श्या उ ॥ आह
 दय कलः लादा नवला क चपनी समन स चक्र शाल उगु धा उ धर्क आह द
 य कल ॥ धनं लिख्य ला क पति स न शल सां महा हर्ष मान या दा उ विन निया
 नः हापे न म ध्वनी ॥ डि पति सुवन दान म वना मुख च धाल सा द वला या न डि
 नय या य रुय क रुन धा या उ ॥ श्री अम्बिका दवी शल सां च मि स न धा या (धं गः
 था सु शय मा धर्क आह दय कल ॥ धनं लिख्य ला क शल सां रुका उ प ध्वा न सा
 य या दा उ व दा का या उ ॥ ध उ २ था स उ नी ॥ धनं लिख्य अम्बिका द वि अं न ध्वा न श्या पीथ

या उ विज्ञानं ॥४॥ ॥ धनं लि मे कू नी न उ द थ स का स्मि न ध या थ स धी का स्मी
न पी ० उ त्प लि रु या उ धी सा न दा द वी धी या न च द्ध या गि नी धी ध्र म धा न ध्व न
म हा द व उ त्प लि रु या उ धि व धा कि स्त्र नू य रु या उ वि ज्ञानं ॥ ॥ ध गू थ स कि
न न प नी उ या उ म हा क स्त्र न ग प स्या य न ध्व न ल स प न म ध्व नी स का र व रु या उ
आ हा द य क लं हा कि न न लो क कृ प नि स्त कृ ष्टा रु ल उ गु लि धा उ ध कं आ हा द
य क लं ॥ ध नं लि कि न न प नि स न रु ल सां म हा ह र्ष मा न या हा उ वि न ति या नं ॥ हा प
न म ध्व नी सा न दा द वी जि प नि स्त म व ना मे ख कृ धा ल सा गी न वा इ स य कं गी न वा इ
न स्त र्ज म ध्व ना ल स प्र दान रु य कं प्र स न रु स वि ज्ञा य ल ध कं हा नं ॥ ध नं लि द

लि५

वीरुलसंगथसुश्रयमाधकं आह्लादयकाउविश्रानं॥ धनं लि किन्नरपनिमनः
रुलसंगकाउपध्वनकागुयाकाउचनरसराकययाउवजकायाउधउध
सुथसंगानं॥ धनं लिदवीरुलसंगभंगध्वनकायाउविश्रानं॥ १॥ ॥ धनं लि
यागुलिक्कीनउनथसकांनकुकाधयापी० उत्पंरुलः श्रीमंकध्वनीदवीच
ह्मयागिनी श्रीद४धध्वनेमहादेवउत्पलिहयाउधिवहाकिस्वनूपश्रयाउवि
श्रानं॥ धगुथामाकहमीरुलः हनं धधससरावनउयाउनपस्यायानं॥ धनः
लिश्रीमंकध्वनीदवीपुनकश्रयाउआह्लादयकलंरावनचुनजिकसिवांक
खकाउजिअतिखसिहयधूनाचुनचूँ आह्लाउगुलिजिवियशंधकं आह्लादयक पीथ
स३ ला१

नं॥ धनं लिना वदन रुल सां ला हा न हा रुल पा उ विन निया न रा प न मध्वनी
जिन लंका या अधिपति रुया उ वा न रुय कं रुा न ध कं धा या उ वि य धूना
ध कं रुा हा द य क लं॥ धनं लिना वदन रुल सां रुका रुप ध्वा न म्हा यथा दा
उ व रुका या उ लंका या अधिपति रुया उ वा न उ नं॥ धनं लिमं क रुवनी
दवी जं न ध्वा न रुया उ वि श्वा नं॥ ७॥ ॥ धनं लिख डाय मिखा कू नी न उ
द थ म ध्वा प ध्वा नि नी पी ० उ त्य लि रुया उ ध्वा प ध्वा नि नी द वी क पा ल कू
छु ला या नि नी ध्वा च लु रुव न म हा द क रुत्य लि रुया उ वि श्वा न धनं नि व रु कि
स्व नू य रुया उ वि श्वा नं॥ ध धा य स रु व रु मी रुया उ अ म्हा ना प नि डी या डी अ नं

कप्रकात्रदीप्ताखनद्रयाऽ। महालाऽ। चाप्रसन्नमयकाऽ। महारु किया
दाऽ। चाने। धवेलसुधमिसराऽ। रुकिखदाऽ। ॐ ह्यत्रीखसिद्रयाऽ। आ
हादयकलं। रा। जूप्सनापनिधकं चूमिसमनसचू ॐ काशुलउगुलिका
उधकं आहादयकाऽ। जूप्सनापनिमहाहर्षमानयादाऽ। विनतिया
नं। रुपत्रमध्यत्रीजिपनिसु ॐ नुयासरासचूकयमशयकपाखनद्रय
रुयकं रुानधकं धयाऽ। श्रीपूष्पगिनीनदवीनरुलसां वियधूनाधकं
आहादयकाऽ। अं न ध्यानद्रयाऽ। विज्ञातं जूप्सनापनिसंधाधसः
संज्ञानाऽ। न॥ ॥ ॥ धनं हिलसिकुनीनडाधसं अमृदाचलधयाः

१०
पाथ

दा

थसः श्रीमूत्रनयी ० उत्पलिरुयाताः श्रीमूर्कवीदवीः श्रीकालिकायाग्निश्रीः
ॐ स्वावतदध्वनमहादवउत्पलिरुयाताः श्रीवधकिस्वत्रूपरुयाताविद्याः
न ॥ थुगुथससिद्धरुमीरुलंथगुथयसः नानदमनीस्वत्रविद्याकातातपसा
यान ॥ थनलिश्रीमूर्कविदेवीपुनरुयाताः श्रीदयकलः लो नानदकुनन
पस्यानजिअनिर्सागरवश्यधूनाः कुनमनसकु ॐ स्वाशुलतागुलिधाताध
कं श्रीदयकाताः नानदयाः महाहर्षमानयाकाताविनगियानं लो श्रीमूर्कवि
देवीजिवाकसिद्धिरुयकं रानधायता ॐ ध्वनीरुलसावियधूनाधकं श्री
दयकल ॥ थनलिनानदमनिनवजाकायातास्वर्गतानं ॥ देवीअनध्वनरुया

न२

ॐ
आविष्कारं ॥८॥ ॥ चर्नलिङ्गतालाहातकूमीनता ८ थसः अमृगधयाथस
श्रीअमृगकध्वनीपी० उत्पलिरुयाताधीविकनेध्वनीदेवी नकाक्षीयागि
नीशानिन्दापत्यध्वनमहादेव उत्पलिरुयाताशिवकाकिस्वरूपशयातावि
ष्कारं ॥ धर्मगुलीथसपूज्यरुमीरुलं धथयसनाधिकापनितायातानपस्याः
यानं ॥ चर्नलिङ्गीध्वनीखसिरुयाताआह्लादयकलं हाताधिकाकुमीसहाताः
एकिखदाताजिखसिरुयधनाकुधयाधताधर्कआह्लादयक ॥ चर्नलिनाधि ११
कापनिभनरुलसां श्रीरुषयादासिरुयातावानदयकं रुनेधर्कधयातावि
यधनाधर्कआह्लादयकाताअनध्वनरुयाताविष्कारं नाधिकापनिथताथा पाथ

सुअनं॥२॥ ॥थनीलिखउ^{वा}कूसा^{वा}नकुनीनउ^{वा}कथस. वकावपी०उत्यहिः
रुलं^{वा}ग्रीसि^{वा}क^{वा}ध^{वा}नीदवी^{वा}सि^{वा}कायागिनी^{वा}ग्रीद०^{वा}ध^{वा}ध^{वा}नमहादवउत्यहिः
याउ^{वा}ग्रीव^{वा}कि^{वा}ध^{वा}नू^{वा}प^{वा}रुयाउ^{वा}वि^{वा}शानं॥थ^{वा}गुली^{वा}थ^{वा}य^{वा}स^{वा}पू^{वा}स्थ^{वा}हमी^{वा}रुलं^{वा}थः
गुली^{वा}थ^{वा}य^{वा}स^{वा}क^{वा}नवी^{वा}न^{वा}ध^{वा}म^{वा}ध^{वा}न^{वा}द^{वा}कि^{वा}न^{वा}ध^{वा}म^{वा}ध^{वा}न^{वा}सि^{वा}ह^{वा}ल^{वा}दी^{वा}प^{वा}ध^{वा}म^{वा}ध^{वा}न^{वा}प^{वा}नि^{वा}मु^{वा}दा
अ^{वा}न^{वा}प^{वा}स्या^{वा}या^{वा}दा^{वा}अ^{वा}न^{वा}न^{वा}थ^{वा}वल^{वा}सं^{वा}प^{वा}न^{वा}म^{वा}ध^{वा}नी^{वा}ख^{वा}सि^{वा}रुयाउ^{वा}आ^{वा}ह^{वा}द^{वा}य^{वा}लं^{वा}हाः^{वा}के
ध^{वा}म^{वा}ध^{वा}न^{वा}या^{वा}क^{वा}ग^{वा}पाल^{वा}प^{वा}नि^{वा}कु^{वा}मि^{वा}मे^{वा}ना^{वा}वां^{वा}का^{वा}क^{वा}रुल^{वा}अ^{वा}गुली^{वा}ध^{वा}अ^{वा}ध^{वा}क^{वा}आ^{वा}ह^{वा}।
द^{वा}य^{वा}का^{वा}अ^{वा}ध^{वा}म^{वा}ध^{वा}न^{वा}वा^{वा}सि^{वा}प^{वा}नि^{वा}स^{वा}न^{वा}रुल^{वा}सां^{वा}वि^{वा}न^{वा}ति^{वा}यानं^{वा}हा^{वा}प^{वा}न^{वा}म^{वा}ध^{वा}नी^{वा}ध^{वा}सं^{वा}।
सा^{वा}न^{वा}स^{वा}पा^{वा}धी^{वा}सी^{वा}क^{वा}पिं^{वा}द^{वा}कां^{वा}ह^{वा}स^{वा}या^{वा}य^{वा}रु^{वा}य^{वा}क^{वा}रु^{वा}न^{वा}ध^{वा}या^{वा}अ^{वा}वि^{वा}य^{वा}धू^{वा}ना^{वा}ध^{वा}क^{वा}आ^{वा}ह^{वा}

दयका उज्ज्वलानरुया उविशान् ॥ थनलिहमभनरेनवपनिधुडा २
आसुचानउर्न ॥ १० ॥ ॥ थनलिमूनद्वानकानिन उमगिह्वनधया
थसुः विह्वनपी ० उत्यलिशया उगीमहाकालध्वनीदवी. विकटदष्ट
यागिनीगीचंपध्वनमहादवउत्यलिशया उगीवडा किस्वरूपशया उ
विशान् ॥ धुगुथानसपुन्यरुमिशुलं थगुलीथयसुजन्मनाजा उया उ न
पस्यायाडा उचान् ॥ थनलिगीमहाकालपुनरुशया उआह्लादयकलं. हाउ
ननाउचनकुं काशुलउगुलिधुओधकं आह्लादयका उः उन्मनाजाया २
महाहर्षमानयाडा उविनगियान्. हपनमध्वनीजितमवगाकुं मखकुं ध ३
पीथ

^{२२} लसाधवक्राहुस मृगकपनिगपापपृथ्विचात्रयाडाउपापिष्टपनिग
^{२१} साक्षियाडाउ धर्मात्मापनिगमाद्वियाउ चोदयकं हानवकंधायाउ धी
 महाकालीदवीरुलसाविशधनाधकं आह्लादयकाउ जगन्धनयाडाउ विश्वा
 र्ग ॥ धर्नलिङ्ग मन्त्राङ्गिथेउ आद्यमसवान्तान ॥ ११ ॥ ॥ धर्नलिङ्गलयागक
 गीनउ न कामकाथधयाथास कामकाथपीथउत्पल्लिरुलं धीकामिनीदवी
 लं विकायागिनी धीमालं ध्वनमहादेवउत्पश्याउ शिवगं किस्वरूपश्या
 उ विश्वार्ग ॥ धधसपृथ्वेहमीरुलं ॥ धर्नलिथधायस पृथिवीमाताउ याउ
 जगन्मपृथ्वयाडाउ पूजा मान्ययाडाउ चानं धवलसं ॥ ध्वनीखसिरुया
 अमृगकश्याउ आह्लादयकलं शपृथिवीमाता कनमनसकूँकीरुल

थास)

उगुलिधुआधकं आह्लादयकलं ॥ थनं लिपुचिवीमागानलाहातहाऊलपा
आविनगियातं रुपनमेध्वनीजिपुचिवीश्रयाआजिकगुगुवसुपिनउगुव
सुवयकाआपानीदकांनकायायेरुयकहानहर्नद्यासवृकलनां ॐ यादि
धसकगांजिकउत्यलिश्रयकं हानधकं हाहाआ ॐ ध्वनीनरुलसांवि
यधनाधकं आह्लादयकलं ॥ थनं लिपुचिवीमागामेहाहर्षमानयादाआ
वजकायाआआनं ॥ थनं लि ॐ ध्वनीनं नृनश्चानयादाआविश्रानं ॥ १२ ॥
॥ ॥ थनं लिजआयागुपादकाकूतीनआदधसकेलाससकेलासपी ०
उत्यलिश्रयाआशीषार्चनीदवीः ललजिकायागिनी श्री ध्वक् नध्वनमहा

१३

पी ५

दवउत्पश्याता विवहा किं रूपश्याता विद्यानं॥ धृगुली थायस सिद्धह
मीरुलं॥ धृगुली थायसः बुद्धा विद्यादाता जनगयह्यादाता जनगजपः
ध्यानस्तोत्रयादाता महानपस्यायादाता विद्यानं॥ धनं लिङ्गं ध्वनी पार्वती द
वी प्रगदश्याता आह्लादयकलं शो बुद्धा कनमपस्यानतिखसिश्यधूना क
नमनसकृच्छा रुलउगुलिधता धर्क आह्लादयकाता बुद्धानरुलसाखः
नमध्वपाता लसंष्ट्रियाययकाता धृगुयाता नातिरुलनधर्क विनतिः
यानं॥ धनं लिङ्गं ध्वनी नरुलसा विनुधूना धर्क आह्लादयकलं॥ धनं लिबुद्धा
नं ध्वनी याता रुका पार्थनायादाता वेता कायाता स्वर्गथाहा विद्यानं॥ धनं

लिपार्चनीद्वीर्गनक्षत्रशुभाडाविष्णुगर्ग ॥१३॥ ॥थनलिथथूवाकूगीनडा न
 थयसूरुगुपी०उत्पलिकुशाडाशीमीनादीद्वी.वकुदहायागिनीशीम
 त्यथनमहादवउत्पलिकुशाडाहीवडाकिस्वतूपकुशाडाविष्णुगर्ग ॥थनलि
 थगुथयसपून्महमीरुलंथथयसधर्मदरुनाजाडायाडागपस्यायार्ग ॥
 थनलिपत्रमध्वनीखसिकुशाडाआहादयकलंराधर्मदरुनाजाकनमन
 मकुंकाकुलउगुलिधडाधकंआहादकलं ॥थनलिधर्मदरुनाजान
 विनयार्ग.हपत्रमध्वनकिगवधदवतान.युद्धसूरुयमरुयकंवत्रदानरा १४
 नधकंराडापत्रमध्वनीनकुलसावियधूनोधकंआहादयकाडाअनः पाथ

धनयादाउविश्वानः धर्मदहनाजं थउ धसउन ॥१५॥ ॥ धनलिद
पालाहामकनीनउनकदानसः कदानपी० उत्पल्लिशलं श्रीकदानध्वनी
दवी मूलायागिनीश्रीकाहस्वत्रमहादवउत्पल्लिशयाउधिवहाकिस्वत्र
पश्याउविश्वान ॥ धगुलीधयसपूत्यरुमीश्लः धधयसः उकादहानूद
पनिउयाउः जागतपस्यायादाउवानः धवलसुधीकदानध्वनीप्रगद
श्याउआह्लादयकलः एउकादहानूदपनिचलपालपनिक्मनवाक्का
शलउगुलिधउधर्कआह्लादयकाउः उकादहानूदपनिसनआह्लादय
कलहपत्रमध्वनीजिपनिसकलउलिगउधूलकाउप्रसनशस्विश्वायः

मालधर्कं आह्लादयकाडादवी नरुलसां वियधना धर्कं आह्लादयकाडां
 नध्मा नयाहाडा विज्ञानं ॥ धनलि उकादहा नृदप निर्धडा धमस विज्ञानं ॥
 १॥ ॥ धनं लिङ्गुडायामिखाकूनी नडा नथासु चंदपूतसः चंदपूतपी ० उ
 त्यलिङ्गुलं ग्रासिद्धिकाली देवीः सिद्धां यागिनी ग्राप्रकास्य ध्वन महादेव उत्पः
 रुयाडा धिवडा किस्त्रूप रुयाडा विज्ञानं ॥ धृगुधायस पूज्यरुमीरुलं हनधू
 गुलीधायस दहादि ग्यालय निडायाडा विधिपूर्वत पूजायाहाडा चानं धव
 लसपनमध्यनीरुसि रुयाडा आह्लादयकलं ॥ हादहादि ग्यालय निचूप नि
 चूमनवां चारुलडा गुलिधाडा धर्कं आह्लादयकाडा ॥ हपनमध्यनी ग्रासिः पाथ

द्विकालीदवीजिपनिदहादिग्यालक्षयकक्षानधर्कधायताः वियधनाधर्कः
आह्लादयकाताः अंगध्यानक्षयाताविश्वार्तः ॥ धनं लिखपनि दहादिग्यालसं
शानतानं ॥ १५ ॥ ॥ धनं लिखिपूकमीनतानथासुखीपी ० उत्पत्तिक्षयाता ॥
ध्रीरुद्राक्षीदवीरुद्रायामिनीक्षीकलध्वनमहादेवउत्पत्तिक्षयाताऽतिवर्धकि
स्वरूपक्षयाताविश्वार्तः ॥ थगुलीथानसपुष्पहमीरुलंथगुलीथयसजुष्टवस
पनितायाताऽवाउसापचानलपूजायादाताचानं ॥ धनं लिखीध्वनीस्वसिक्षया
ताऽआह्लादयकलः हाजुष्टवसपनिः कृपनिकृ००० काशुलउगुलिधायताधर्कआ
ह्लादयकाताः हापनमध्वनीजिपनिमनावांकासिद्धिश्चमालधर्कक्षयातावि

यधूना धर्कं आह्लादयकातापत्रमध्वनीर्जगन्मानरुयाताविष्कारं॥ अथ वत्स
पनिथताथसंचादतानं॥१॥ ॥ यनं लिनाहिकृतीनतानथसत्रकवीः
नपी० उत्पलिरुयाताष्टीत्रकवीनादवीः॥ अनाक्षीयागिनिष्टीहानकध्वन
महादेवउत्पलिरुयातामिवमकिस्वरूपरुयाताविष्कारं॥ धुगुलीथसः
पूयत्तमीरुलं॥ यनं निध्वयसः सफपानालयानागलाकपनितायाता
अनगमलिमातिक्कनलक्कायाताः नानामाथनतपस्यायाकातायादसाय
वात्रधं पूजायाकातावातं॥ अथ वत्ससष्टीमाहीमायासंगारवरुयाताआह्लाद
यकलं रानागलाकचुमीसक्कमनवीक्काश्लउगुलीधताधर्कं आह्लादय

१६

पीथ

१६

काउनागलाकनविनगियातः हपत्रमध्वत्रीजिमिगमवतामखकुधाल
सासफपागालयाअधिपतिरुयकविमविश्यायमालधकविनगियात
॥धनंलिपत्रमध्वत्रीनरुलसावियधुनाधकआहादयकाउाअंगध्वान
रुयाउाविश्यात॥धनंलिनागलाकपनिंसफपागालयाअधिपतिरुयाउा
वानउान॥१८॥ ॥धनंलिक्कथुगुसिक्कीनउानथासजानध्वनपी०उ
त्यलिरुयाउाध्रीकालपादवीकालामुखीयागिनीध्रीपिठमध्वत्रमहाद
वउत्यलिरुयाउागिवठाकिसुनूपरुयाउाविश्यात॥ध्वगुलीधनससिद्ध
हमीरुलध्वथयसकामध्वनसाउायाउाअत्यकलाउानायाहाउादुहा

[illegible]

स्फुरि श्या उ अतिवडा किस्वरूप श्या उ विद्यानं ॥ धगुली धयस पविप्रह
मीरुलं ॥ धनं लि धगुली धयस द्वादष्टम दिव्यपनि उया उ नपस्या यादा उ
वान वेल स श्रीध्वनीया हर्षमान श्या उ प्रत्यक्ष श्या उ आ ह्लादय कल
रा द्वादष्टा आदि ह्यवन दान का उ धर्क आ ह्लादय का उ ॥ धनं लि द्वादष्टम दि
व्यन रुल सां हे यत्र म ध्वनी कि मि न द्वाद मा सु खगू जगु स री द म री द या
यगु लि स म गु काल स उतिया य रुय कं स्नान धर्क धा या उ द वी न रुलः
सां विय धूना धर्क आ ह्लादय का उ अ न ध्वान यादा उ विद्यानं ॥ धनं लि
द्वादष्टम दिव्यपनि ध उ धा स विद्यानं ॥ २० ॥ ॥ धनं लि द्वा कूती न उ द

असक सुनानक पी० उत्पत्तिरुलः श्री भूमिभन काली देवी मुमुक्षु यत्नया
गिनी श्री कृष्ण नमो महादेव उत्पत्तिरुया अतिवडा किस्वरूप रुया अवि
शान् ॥ थुगुली अयस सिद्धरुमी रुलः अथ अयसन रुगुगल पेनि अया अ
धन या दा अ वान ॥ अवे लसपन मध्वनी र्वसि रुया अ वल का अ धर्कः
आहा दय का अ धपनि सन हयन मध्वनी धर्क जियनि सदान न रुगु रु
या अ क्रिक्रि क्रिया न रुगु हाग या दा अ वान रुय कं रुान धर्क धाया अ वि १८
य धना धर्क आहा दय का अ अक धन रुया अ वि शान् ॥ अयनि ध अर
का अस वान अ न ॥ २१ ॥ ॥ धन सिद्ध अ ला हा न रुगी न अ द थ अस देवी पीथ

काथपी० उत्पत्तिरुयाडा. श्रीरुद्राकीदवी. ललजितायागिनी श्रीमानः
वैष्णवमहादेव उत्पत्तिरुयाडा. शिवहाकिस्वरूपरुयाडा. विष्णुनामः॥
ध्वजयसुष्टुद्रमीरुलः. धृगुलीध्वजसुत्राधीगलपनिडायाडा. नाश
प्रकाशपूजायाडा. चानः॥ धनलिपत्रमध्वनीप्रगदरुयाडा. आः
हृदयकलशराधीगलपनिः. कुमिकुमनावांकाइलउगुलीध्वज
ध्वज. आहृदयकाडा. राधीगलपनि. सनरुलसां. रूपनमध्वनी. जिप
निग. लाहृहानिमाकधूलिया. अधिपतिरुयकं. रुनध्वजयाडा. पत्रम
ध्वनीनरुलसां. वियध्वनाध्वज. आहृदयकाडा. विष्णुनाम. ध्वजनिध्वजध्वज

यसं जानं ॥ २२ ॥ ॥ धनं लिखता या गुण स्यात्कनी न डा दधाय स एव
 कर्त्तुं पी ० उत्पत्ति रुया डा धी हे नवी दवी उक डं घा या गिनी धी डा (ग
 ह्यनमहा दव उत्पत्ति रुया डा धिवडा किस्वरूप रुया डा विज्ञानं ॥ थ
 आयस महा उरुम पृथ्वी रुनी थ आयसुर्वका विज्ञा डा महा
 उरुम य रुया डा विज्ञानं थ गुली य रुक लुन धी सन सनी नीर्थ उ
 त्पत्ति रुया डा पिहा विज्ञा डा वाग्मनी स संगम रुया डा थ गुली थाय
 स या गिपनि डा या डा न पस्या या डा डा न धनं लिपनमध्वनी खसि
 रुया डा आरु दय कर्त्तुं रा या गगन पनि क पनि न क् धा या धा डा धकं
 २ पितामह नीर्थ रुया डा २

१२

पीथ

आह्लादयता. हृष्यतममध्वनी कियनिग यागगलया माहाशयातावानदयक
हानेधयाता. दवीनरुलसां वियधूनाधक आह्लादयकाता अंगध्यानरुया
ताविज्ञानं. चपनिधता २थायसंतानी ॥ धनीलिगुलिर्दिकालतानीलिनाव
हातायाता. गमक. (क) ह्यत्रयाक. वायूकक आहानयादातानाकालीनपस्याया
हातावानं. थथेनं पत्रममध्वनप्रगक्रमरुयाता. हनं नावहनरुलसां. थताक
लक्ष्महातायरुदयातागपस्यायानी ॥ धनीलिमि. गालकलध्वहातादयनन
वलस. श्रीमहादेवप्रगक्रमरुयाता आह्लादयकलं शनावहकनक. हानेहा
दधक आह्लादयकलं ॥ धनीलिनावहनरुलसां. हृष्यतममध्वनकित. देव

लोक नाग लोक धर्म नाना जिन्म मरुय क प्रसन्न रुस विद्या यमाल धर्म रु
 हा उ। श्री महावृद्ध नरुल सांभा हा दय कलं हा नाव द व लोक नाग लोक
 न च्छन नरुय मरुय माल मरुद लोक ग (ध धर्म) हा दय कलं ॥ धर्म
 लि नाव द नरुल सां मरुद लोक च्छन जिन्म धर्म मरुद ध च्छ जिन्म सां मः
 खला ध च्छ गा जा हा न मरु धालं ॥ धर्म लि महावृद्ध नरुल सां नाव द न
 ध का ऊ क विद्या उ। अं न धर्म न रुया उ विद्या नं ॥ नाव द लं का या अधिप २०
 नि रुया उ। सुख न वान उ। नं ॥ २३ ॥ ० ॥ धर्म लि ऊ उ। या दू दू की न उ। द ध
 सृष्टी मा गुलं ध्वनी पी ० उ। त्य लि रुया उ। श्री का (ग ध्वनी द वी पिङ्ग ला या गि पीथ

महिनीयानूपशयाउ३

नीष्टी इद्वना (धस्रनमहादवउत्पलिक्रयाउ) विवहाकिस्वतूपशयाउविः
क्रानं॥ थगुली धनसपूस्थरुमीरुलं. धधयस सपिलाकउयाउगपस्था
यादाउचानं. धवलसपत्रमध्वनीखसिइयाउं धयइइयाउ. राअवि
लाककमिसकुमनावांकाइलउगुलीधउधकंआहादयकाउअवि
लाकनइलसाहानं. रुपत्रमध्वनजिपनिनचगुवदयाअधिकानइड
यकंइनधकंविनतियादाउपत्रमध्वनीनइलसांतियधुनाधकंआ
हादयकाउअनध्वनइयाउविश्रानं॥ धनंलिअपिलाकपनिथउधइ
उआधमसंविश्रानं॥२४॥ ॥धनंलिक्थुवाकूनीनउदअरुहासधया

धस९

धाम अरु हासपी ० उत्पलिरुया आधी प्रमला न्विका दवी धी संख धना या
 गिनी धी सफरुम ध्वनमहादव उत्पलिरुया आधी वहा किस्व रूप रुया आ
 विश्वाम ॥ धधय सपविग्रहमीरुलः थगुली धयसर्ग गर्का वाग्मनी प्रह
 गिः दक्कं गंग आहा आः गंग जल काया आ नपस्या या हा आ वान ॥ धनं लिङ्ग
 ध्वनी रव सि रुया आः रा गंग पनिकुपनि नकु धाया धा आ धक्कं आ हा दय का
 आ ॥ गंग पनिसन रानः ह पनम ध्वनी जि पनिसन रुकि मु कि मा रु या य
 रुय कं रान धक्कं धाया आ वि य धू ना धक्कं आ हा दय का आ जं न ध्यान रु
 या आ विश्वामः गंग पनिः थ आ २ धाम सर्वान आ न ॥ २५ ॥ ॥ धनं लिङ्ग

दवीन रुल सा २

२९

पीथ

पादुका निन उ न ध म वि ल्प पी ० उ त्प लि क्क या डा गु र व न ध्व नी
द वी गु र व न म्वा या गि नी गु र व न म्हा द व उ त्प लि क्क या डा
नि व हा कि ष्व नू प क्क या डा वि ज्ञा न् थ गु ली थ म प म्भ रू मी क्क लैः
थ गु थ य स गु रू क्क ना धि का प नि डा या डा ना ना मा थ न प्पा र व
न क्क या डा म्हा ला डा अ न क्क ला डा ना या दा डा वा न ॥ ध न लि गु
र व न ध्व नी र्म मि क्क या डा प्र ल क्क या डा आ ह्मा द य क लै र्मा क्क
रू ना धि का प नि क्क मी स क्क म न वा क्क रू ल डा गु लि थ डा ध क्क
आ ह्मा द य का डा गु रू क्क ना धि का प नि स न वि न नि या न् रू प

नमो भवनीतिमितवनदानदवलाकदानवलाकअपिलाक
मनुकुलाकनमान्ययागकाउवातदयकंदानधकंधाया
उदवीनरुलसावियधूनाधकंआहादयकलं॥धनंलिङ्गी
कृष्णाधिकापनिमनवजकायाउलिहाडानं॥दवीजंन
भानरुयाउविश्वानं॥२७॥ ॥धनंलिङ्गीउलखदालकमी
नडानथासनाउगृहपी०उत्यलिरुयाउडीनाऊनाऊध्वनीद
वीडीउलकामरवीयागिनीडीहिनल्लधध्वनमहादवउत्यलिरु
याउडीवडाकिस्वपुषरुयाउविश्वानं॥धुगुलीथयसमाकरुपाथ

मीशुलं: पूगुली थयसुवायूदवगाउयाउा जूनगसुधवायूउायाउा जूति
हाउानानसेवायानं ॥ धनंलिपत्रमध्वनीखसिहयाउापनकहयाउा हा
वायूदवगाचुपनितकुमनेवांकाशुलउगुलीभाउा धर्कआह्लादयकाउा
विश्वानं ॥ धनंलिवायूपनिमनरुलसां धर्लहपत्रमध्वनीचगुर्दहाखुव
नसजिवात्मायासनीनसप्राहावायूकयकहोनधर्कधयाउा देवीनरु
लसां वियधूना धर्कआह्लादयकाउा विश्वानं ॥ धनंलिवायूदवगानबउा
कायाउालिहाउानं ॥ देवीनरुलसां जूगध्वनरुयाउा विश्वानं ॥ २१ ॥ ॥
धनंलिजउायायाइकाकनीनउानधसुग्रीमहापथधयापी०उत्यलिः

शुभाङ्गी चन्द्रवर्तिका देवी ननु कायागिनी धीविष्णुमिश्रं नमहा द
वउत्पत्तिरुश्याङ्गी विवर्णा किस्वरूपशुभाङ्गी विष्णुमिश्रं ॥ धृगुली धानसपुष्प
हमीश्वरः स्वधायसस्वर्जन अथ सना लोकको हाङ्गी अनेकवन्ध
नपाखनदुश्याङ्गी महाराङ्गी चानः स्ववेलसङ्गी देवी उत्पत्तिरुश्याङ्गी अ
ह्लादयकलं रा अथ नालोककुमीस कुमनेवी क्काश्वल उगुली धाङ्गी
कं अह्लादयकाङ्गी अथ नालोपनिमनेश्वरसां विनतियानं हयनमध्व
नञ्जिपनिनः देवनाञ्जुदुश्याङ्गी सहासः स्ववेलसं चूकयमश्वयः कमदा २३
नकपाखनदुश्वरुयकं दुश्याङ्गी विष्णुमा लधकं धाङ्गी पनमध्व पाथ
सकलं माह्याय रुयकं

त्रीनरुलसां वियधुना धर्कं आह्लादयका उज्ज्वलानरुया उविश्वानं
अपसनापनिस्वर्गधहा उनी ॥ २८ ॥ • ॥ धनलिखाधकनीन उनध
सकालापूत्रपी ० उत्पलिरुया उधामहालक्ष्मीदवीननमुयागिनीध्री
समभने ह्यनमहादेव उत्पलिरुया उधिवहाकिस्व रूपरुया उविश्व
नी ॥ धगुलीधयसंपृथ्वरुमीरुलं धगुलीधयसंगनूड उया उज्ज्वल
गनलरुलजीहा उपनमेध्वनीया नच्छाया उज्ज्वलगमाधनपूजायाः
हा उवानं ॥ धवलसंपनमेध्वनीरुसिरुया उज्ज्वलदयकलं हेगनूड
कनमनसं कूर्च्छारुल उगुलीध उधर्कं आह्लादयका उज्ज्वलनरु

लसाहपत्रमध्वरीमहालक्ष्मीदेवीजितनागलाकनसाशयकेशनध
कंबिननियाहाउवियधनाधकंआहादयकाउअंनधनरुयाउ
विश्वार्ग॥धनलिगत्रुदंथउथयसंउर्न॥२२॥०॥धनलिउउपूः
लिकुमीनउधधसःध्रीनुकापुत्रपी०उत्पलिकुयाउध्रीमाधुकीद
वीध्रीनकाध्वनयागिनीध्रीउमथेध्वनमहादेवउत्पलिकुयाउधि
वधकिह्वनपुत्रयाउविश्वार्ग॥धुगुलीधयसंपविप्रहमीकुलंथध
यसंभिलादकंउयाउगपस्यायाहाउध्वन॥धवलसपत्रमध्वनी
खसिशयाउआहादयकलंरागिलापनिचुपनीसकुमनवीच्छाश

लउगुलीधआधकंआसुदयकाडाहिलापनिसेनइलसोहपनमध्वनी
जिपनिदकंदवतायाजंगधनीनइयकाडाप्रसन्नइयमालधकंविनगि
याडाडा.दवीनइलसोवियधनाधकंआसुदयकाडाजंगधनइयाडा
विश्वार्ग॥हिलापनिहिलाडानी॥३वाधनीलिथधुक्कुमीनडादध
सडाका नध्वनीपी०उत्यलिइयाडाधामागुकादवीगुपूधुदनीयागिनी
गोनिसेतानेध्वनमहादवउत्यलिइयाडाधिवडाकिस्वरूपइयाडाविश्व
नी॥धधयसमाइरुमीइलधधयसकत्यवृद्धसिमाडायाडानानाकूल
इलकायाडापूजायाडाडाचोनी॥धनलिपनमध्वनीखसिइयाडाप्रगदइ

या ॐ शोक ल्य वृद्ध कृत्त मनस च ०० ॥ शूल उगुलि धा ॐ धर्क आह्लाद य का
 ॐ क ल्य वृद्ध पति स न शूल सा ह प न म ध्वनी डि प नि ग गुगु म न शाल पाः
 उगुलि उत्पलिया ये रु य के श न धर्क विन निया न ॥ धर्न लि प न म ध्वनी न
 शूल सा वि य धू ना धर्क आह्लाद य क र्त्त ॥ धर्न लि क ल्य वृद्ध पति स न शूल सा
 धा ॐ सा प चा न न पूजा या हा ॐ रु का रु प ध्म न या हा ॐ वे ला का या ॐ थ ॐ थ
 य स ॐ न ॥ देवी न ॐ ग ध्म न रु या ॐ वि श्वा न ॥ ३१ ॥ ० ॥ धर्न लि ध्व ना पा च
 कृती न ॐ न ध्म स धी रु य नी पू न पी ० उत्पलि रु या ॐ धी रु य नी देवी धीः ॥ २५ ॥
 ख व नी या गि नी धी धि व धा क ध्व न महा दे व उत्पलि रु या ॐ धि व धा कि स

पशुयाडाविश्वार्ग॥ धनुलीधयसंसिद्धरुमीरुलं धधयसकुहाशप
निडायाडागपस्सायाडाडावानं॥ धवेलसपत्रमठवनीसकाखशयाडा
आहादयकलंराकहाशकुमिसनकुधयोधाडाधर्कआहादयकाडाः
कहाशपनिमनरुलसाविनगियार्ग॥ हपत्रमठवनीकिपनिनःधसमा
नक्षमान्ययागकंरुनेहनेवर्षरपनिःकार्तिकमहिनासःलक्ष्मिनाकिपनि
गपूजामान्ययागकंरुनेसमरुकार्यसंपविगुश्यकंधूलिराधर्कधः
याडादवीनरुलसाविनधूनाधर्कआहादयकाडाअनध्यानशयाडावि
श्वार्ग॥ कहाशपनिधडाधयसडानं॥ ३२॥ ॥ धनंलिहिपाचकूनीनडा

नथमग्नी उरु यनीपीठ उत्पत्तिरुया अग्नीमहाकालीदवीशीललजिका
यागिनीशीर्षकध्वनमहादव उत्पत्तिरुया अग्निवहाकिस्वरूप रुया अ
विष्णुर्न॥ थगुथयसपृष्ठरुमीरुलै थगुलीथयसपृष्ठराजहमाल
यउया अगपस्यायाहा अवीर्न॥ थनेलिपनमध्वनीखर्मिरुया अग्नी
दयकलै हा पर्वतनाजहमालय कुनमनसकुं छाश्ले उगुलिः
धउधर्क आहादयका अहमालयनरुलसो विनतिया नहपनः
मध्वनीग्नीमहाकालीदवीजित सेवालाखपर्वतया नाजाशयकरुने
धर्कधया अग्नी पनमध्वनीनरुलसो वियधूनाधर्क आहादयका अ

॥२५॥

॥पिथयाष॥

विज्ञानं॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥ ६॥ पवनं धूपं पूजाया दाता रु-
का रुपं ध्यानं स्तोत्रं प्रार्थनाया दाता वेदाकाया दाता लिहाता नमः॥ धनं लि-
दवी नमः ज्ञानं ध्यानं रुत मां पीठं ॥ ३३॥ ० ॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥
नतान्धाय सः च निगुप्तं न पीठं उत्पलितं रुत मां पीठं ॥ ३४॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥
विज्ञानं ध्यानं रुत मां पीठं ॥ ३५॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥ ३६॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥
स्वर्गं पश्य रुत मां पीठं ॥ ३७॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥ ३८॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥
गिनी गणपतिं पश्य रुत मां पीठं ॥ ३९॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥ ४०॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥
पनं मधुवती रत्नं पश्य रुत मां पीठं ॥ ४१॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥ ४२॥ धनं लिह मां लयनं रुत मां पीठं ॥

सनक्षयाधडाधर्कं आसादयकाडाः यागिनीगद्यपनिसनक्षल
साधालेहपत्रमध्वनीतिपनिनमनुसिदिशयकं हानधयाअथ
वीनक्षलसावियधनाधर्कं आसादयकाडाः जंगधनक्षयाडाविश्रा
नं॥ धनंलि यागिनीगद्यपनिसनक्षकापूजासुनियाडाडालिहाडा
नं॥ ३४॥ *॥ धनंलिघाथयाग्यउकनीनडानधसंधीचिलिकापूत्र
पी० उत्पलिशयाडाथीयूगमद्यादवीहीकलंकिनीयागिनीः श्रीसहस्र
नक्षध्वनमहादवउत्पलिशयाडाडिवहाकिस्वरूपशयाडाविश्रा
॥ धनंलीथयसमाकलमीक्षलं चथयसमाकलकागद्ययाडाजून

गपदार्थदयका उा पूजाया हा उा चाने ॥ धवलस ० श्री ध्वनी खसि शया उा
पुनरुशया उा आहा दयक लं रा मा रुका गहा च पनिसक मनोवा का शल
उगुलिष्का उा धर्क आहा दयका उा मा रुका पनिस न विन गिया न ह पत्र
मध्यत्री जि पनित जि मि गहा सन किनी रुय क राने धया उा पत्र मध्यत्री
नरुल सा विय धूना धर्क आहा दयका उा जू न धन रुया उा वि शान ॥ मा
रुका गहा पनिलिहा उा न ॥ ३७ ॥ ० ॥ धन लि उा या पाला हा न कू नी न उा
न था सु धी रु सि ना पू न पी ० उत्य रु या उा धी च (ध्वनी देवी धी का ट ना दी
या गिनी, धी धु हा वा न ध्वन महा दे व उत्य रु या उा धि व धा कि स्व रूप रु

या उ विष्णु नमः ॥ धनं लिख्य गृहीतमयस्य पृथ्वी रुतः ॥ धनं लिख्य गृहीतमयस्य पृथ्वी रुतः ॥
 चक्र उ या उः ला हा न जा रु ल पा उ वि न त्रि या दा उ च न ॥ धनं लिख्य गृहीतमयस्य पृथ्वी रुतः ॥
 कि ख दा उ य न म ध्व नी ख सि रु या उ आ हा द य क ल रं हा सु द र्शन चक्र च
 न रु ध म या धा उ ध कं आ हा द य का उः सु द र्शन चक्र न रु ल सा वि न त्रि ॥
 या न ह म न म ध्व नी कि न द र्शा का ठि ण गु सी हा न या य रु य क रं हा न ध कं ध
 या उः वि य धू ना ध कं आ हा द य का उ अ न ध म न रु या उ वि ष्णु नमः ॥ सु द र्श
 न चक्र न थ उ थ य स उ न ॥ ३३ ॥ ॐ ॥ धनं लिख्य गृहीतमयस्य पृथ्वी रुतः ॥ २८ ॥
 उक्ता सपी ० उत्य लि रु या उ धा वि म ला द वी धा पि ग ला या गि नी धा य रु ध्व

॥ प्रथम पात्र ॥

त्रमहादेव उत्यहि श्याडा विवडा किस्व नू श्याडा विज्ञानं धधगुली धाय
सं सिद्धरुमी शूल ॥ धधाय सह नू मानपनि डायडा अनकरुलरुलरुलरुल
या डानपस्यायागी ॥ धनं लि विमला दवी खसि श्याडा आह्लादयकलं राह
नू मानपनि कृमि सन कृधया धडा धर्क आह्लादयका डः हनू मानपनि
सन शूलसां धालं हपत्र मे ध्वनी क्रियनि न नामे वन्द्या दासे वक श्याडा
लंकारुमया यरु यकं हान धर्क धया डः हनं क्रियनि महावीनः वलव
न श्यक कृपाया द विद्याय माल धर्क हान ॥ धनं लि पत्र मे ध्वनी न शूल
सां वियधूना धर्क आह्लादयका डः अनध्वन श्याडा विज्ञानं हनू मान

पनिध अथ संअन ॥ ३० ॥ धनंति स्वलाकूनीन अनधम सप्रयागपी ० उ
एलिश्या अथी सुन्दरी दवी धी धिपु वगमया गिनी धी महद्वधनमहा
दवउ एलिश्या अथी वध किस्व रूपश्या अविश्या ॥ धगुली अथ स
पृथ्वी मीशुलं धधय सपत्रवृक्ष ना नायध विद्यादा अतपस्या यानं ॥
धवलसुधी सुन्दरी दवी खसिश्या अथी आह्लादय कलं लाना नायध चक
लपालया मना वांका शल उगुली आह्लादय कि अधक आह्लादय का अ
ना नायध न शल सां आह्लादय कलं हपत्र मध्वन जित सत्ययुग एता दा
पत्र कलि युग धपे गुली युग स देखला क संहान या यरुयक प्रसन्न श

शे

पीथ

स विद्या यमालधर्कं रुद्रा उष्ट्री सन्दरीद्वी नरुत्तसं रुद्रा नावा यदा पगुली
युगसंदर्भा अवतानका या उदेत्यदानवसं हाने या ये रुद्र यमालधर्कं आहो
दया उष्ट्री नावा यदा नरुत्तसं धादसा पचात्र ह पूजा या हा उष्ट्री च न ह स रु
क पूया उष्ट्री का या उष्ट्री रुद्र विष्णु ॥ धनं लिष्ट्री दवी नं न ध्वानं रु
या उष्ट्री विष्णु ॥ ३६ ॥ ॥ धनं लिष्ट्री ना कृती न उतं धा सष्ट्री विल्वपी ० उत्प
लिष्ट्री या उष्ट्री जं कष्ट्री दवीष्ट्री जं कानिनी या मिनीष्ट्री रुद्र (७) दवन महादव
उत्पलिष्ट्री या उष्ट्री विष्ट्री किष्ट्रूप रुद्र या उष्ट्री विष्णु ॥ धनं लिष्ट्री पगुली धायसं ॥

सिद्धहमीशू लं. ध्यायसुविष्टकर्मडायाडाअनगविप्रविचिपत्रीगनज
नगत्रलनखचिलपाडादडासदयकाडाअगम्यमाधनपूजायाडाडावा
नधवलसपत्रमध्वनीखसिद्धयाडाआह्लादयकलंहाविष्टकर्मक
नकधायोधाडाधर्कआह्लादयकाडा. धनपत्रमध्वनीआह्लादडाडावि
नतियानंहपत्रमध्वनीडित. गडाह्लातनपूर्वश्यकडिनदप्रकागुकी
हिखडाडा. दवलोकदेखलोकमन्त्रलोकसकल्यमाहश्यकंहानेध
कधायोडा. पत्रमध्वनीनक्षत्रसंविद्यधूनाधर्कआह्लादयकाडाविद्या पीथ

न॥ धनं लिखि विष्णु कर्म नरुल साना ना प्रकान दपूजा यादा उव उका या उलि
हा उाने ॥ दवीनं जगन्धन रुया उविशान ॥ ३२ ॥ ॥ धनं लिखि अलपि कुनी
न उान धमसः श्री माया पुनपी ० उत्पलि रुया उ श्री माया दवी श्री चकेला यागि
नी श्री गपसे धनमहा दव उत्पलि रुया उ धि वध कि स्व रूप रुया उ विष्णु
न ॥ धधयसं सिद्ध रुमी रुलः धधयसं च गुष धि लिखि धन पनि उा या उा
रुप धन यादा उा चाने ॥ धवल सन्ने धे नीख सि रुया उा आ हृदय कर्ल हा
च गुष धि लिखि गधन पनि कुल पाल पनि सन रु धया ध उा धर्क आ हृद
यका उा च गुष धि लिखि गधन पनि सन रुल साना विन गि या न ह पन मध

त्रीधकं किमिदं वगुषष्ठिस्त्रयं रूपाणि शयका उरुकि मूकि मादुवनदा
नविनुरयकं हाने धकं आह दयका उ. दवीनरुलसं वियधना धकं
आह दयका उ विज्ञानं ॥ धनं लिच गुषष्ठि लिं गध्वनन रुलसं धा उ
॥ मय चानन पूजा या हा उ वं ज का या उ लि हा उ न ॥ दवीनं जं त ध्वन
शया उ विज्ञानं ॥ ४० ॥ ॥ धनं लिख उ या गुल ख पा कुगीन उ न धाय स
धाम न्ना ग्री पी ० उत्पत्ति शया उ धी मा लि नी द वी धी का कि ला या गि नी धी ३१
उत्पत्त्य ध्वन महा देव उत्पत्ति शया उ नि व धा कि स्त्र रूप शया उ विज्ञानं
धधाय स पुन्य हूमी रुल ॥ धनु लि धाय स. हन प्र न पि सा चा दि ध प नि से न पी ४

नानामाधनप्याखनद्रयाडाचानं॥धनंलिपत्रमठवनीखसिरुयाडापुत्य
रुशयाडाआसादयकलंहारुगप्रतपिष्ठमवादिचुमिसेनकुधयाध
डाधकंआसादयकाडारुगप्रतपिष्ठमवादिनरुलसाविनतियोतंहपन
मठवनीजिपनिसदाकालंकुलपालयादासिरुयाडाचनदयकंरुन
धकंविनतियानं॥धनंलिपत्रमठवनीनरुलसावियधुनाधकंआसाद
यकाडाअंगधनरुयाडाविश्रानं॥धनंलिरुगप्रतपिष्ठमवादिनंदवीया
दासिरुयाडासुखनचानं॥४१॥ ॥धनंलिप्यनपाचकुनीनडानथय
सुमलयागिनिपी०उत्पलिरुयाडाश्रीवज्रध्वनीदवीश्रीकामलायागिनी

श्रीजागहनमहादेवउत्पत्तिश्रयाउगिवहाकिस्त्रूपश्रयाउविष्णु॥धूगु
लीधायससत्यरुमीरुत्त.धधायससत्यउयाउतपस्यायादाउचान.धव
लसंश्रिध्वनीखुसिश्रयाउआह्लादयकलंशसत्यकनकुं.चाशुलउगु
लीधउधकआह्लादयकाउ.सत्यनरुलसांधालहपनमध्वनीगवकेनध
रुलसत्यसचादकयातउद्धानयायरुयकंशानधयाउपनमध्वनीन
रुलसांधियधूनाधकआह्लादयकाउअंतधनश्रयाउविष्णु.सत्यनध
उधायसउनी॥४२॥ ॥धनंलिनगलकृतीनउनधायसुग्रीहानपी० ३२
उत्पत्तिश्रयाउधुउमादेवीधुअष्टदूकायागिनीधुपाकध्वनमहादेवपीथ

उत्पत्तिरुया आगि वधकिस्वरूपरुया आ विद्यातं ॥ अथ यसनक हमीरुल
अथ यसनवग्रहदवतापि आया आ अगिकरुमन पस्याया दा आ चानं ॥ अ
वले सुखी ध्वनी खसिरुया आ आह्लादय कलं, लानवग्रहदवतापनि कृपनि
न कृधयाध आधक आह्लादय को आः नवग्रहदवतापनि सनरुलसां विन
नियोतं हपनम ध्वनी जिपनिग, जीवात्मा दकोयां रुममन हास्येष्ट रुयकं
रुन धया आ पनम ध्वनी नरुलसां वियेधूना ~~क~~ धक आह्लादय को आ
अनक्षानरुया आ विद्यातं ॥ नवग्रहदवतापनि ध आ २ अयसं विद्यातं ॥ ४
३ ॥ ॥ अथ नलिमृगद्वीन आनथसं मन्त्रिनीपी ० उत्पत्तिरुया आ धीपू

दत्रीदवीष्टीकलालीयागिनीष्टीजिह्वासह्यध्वनमहादवउत्पलिरुयाउवि
कार्ग॥थगुलीथयसंमाकुरुमीरुलं॥थथयसजखनागपनिउयाउगप
स्यायादाउचानं॥थनैलि॥ध्वनीखसिरुयाउआहादयकलंराजखना
गलाकपनिचमिसनकुधयाधउधकंआहादयकाउनागलाकनरुल
सांरुपनमध्वनीजिपनिगदिग्यालयानागरुयकजिपनिगानीनजर्गम
रुयकंअथहारुयकंरानधयाउपनमध्वनीनरुलसांवियधुनाधकं
आहादयकाउजर्गधनरुयाउविद्यानं॥थपनिंधउरथयसंचानउ
नं॥४४॥ ॥थनैलिउउयाखलपाकनीनउनथयसधीचदुपी०उत्पपीथ

लि श्याउा श्री ॐ न्द्रा की द वी श्री उर्द्ध ग म नी या गि नी श्री ना ल ध्व न म हा द
व उ त्प लि श्या उा शि व हा कि स नू प श्या उा वि श्वा न ॥ ध ध य स ध र्म रू
मी श लः ध ध य स श्री ल क्मी उा या उाः श्या य न म ध्व नी या न ध न द य का
या उा पू जा या दा उा वा न ॥ ध न लि प न म ध्व नी रू सि श्या उा आ हा द
य क लः लाल कि क ल पा ल या क ॐ आ क ल उ गु ली धा उा ध क आ हा
द य का उाः श्री ल क्मी न श ल सां ह प न म ध्व नी ध कः ध र्म सा न स अ न ग
द नि द्र प नि द र्म वा द ध प नि न ध न स पू र्ण श्य क व न दान वि य रू
य क रान ध क आ हा द य का उाः ॐ न्द्रा की द वी न श ल सां वि य ध नी

१ धनं लिख्ये नया कृष्ण पक्ष अमावास्या कृष्ण
 धर्म आह्लादय का उ विद्या न ॥ धनं लिख्ये नया कृष्ण पक्ष अमावास्या कृष्ण
 उषा धनो या हा उ व उ का या उ लि हा उ न ॥ धनं लिख्ये नया कृष्ण पक्ष अमावास्या कृष्ण
 न श या उ विद्या न ॥ ४५ ॥ ॥ धनं लिख्ये नया कृष्ण पक्ष अमावास्या कृष्ण
 न ध स हा वाम न पी ० उत्प लि श या उ हा का मे ध्व नी द वी धी र नृ भु या
 गि नी धी र द न ध्व न म हा दे व उत्प लि श या नि व धा कि स्र नृ प श या उ
 विद्या न ॥ ध्व ध य स मा क रू मी श ल ध्व गु ली ध य स कम ल पू ष्य स्वा न
 ना ना स्वा न प नि उ या उ। सूर्ग ध स्वा न छा या उ पू ज या हा उ वा न ॥ ध
 व ल स प न म ध्व नी सं गार व श या उ आ ह्ला द य क लः श स्वा न प नि कः

पृथिवी पृथक् पृथक् नृपुंजाग्रामात्

पनिनवप्रदानकाडाधर्क आह्लादयकाडा. स्वानपनिमनरुलसाविनगियागं
हपनमध्वनी डिपनिनदवकार्यसंसकनीकार्यसं डिपनि. मदयकमग
नकंरानधर्क वायाडापनमध्वनीनरुलसाविनधूनीधर्क आह्लादयका
डाअनध्वनरुयाडाविज्ञानं ॥ धनं लिस्वानपनिममहाहर्षमानरुयाडाद
वीयानपाउहापचागहापूजायाडाडा. धडा२धयसंवा नडानं ॥ ४४ ॥ ॥
धनं लिगर्लवलीकूनीनडानधयसंवाहिनध्वनपी० उत्पलिश्याडाडी
नवनलध्वनीदवीडीपूनधुयागिनीडी नानदध्वनमहादवउत्पलिश्या
डाडीवहाकिस्वरूपश्याडाविज्ञानं धधयसंनलरुमीरुल. धधयसं

नमो नमो विष्णु दाता जनक (ह्रीं के शान नाम सहस्र नाम दय का आहर्न उन पंच
सपी ० या अवनान का स विष्णु क गु या महि मा दय का आ. थ गु महि मा दा दा
आ विष्णु न॥ थ नं लि न व न त्ने ध्वनी ख सि रु या आ सी ना ख रु या आ प्र न रु रु या
आ आ हा द य क लै रा स न स्व गी द वी क ल पा ल या म न वी क क रु ल उ गु ली
ध आ ध र्क आ हा द य का आ स न स्व गी न रु ल सां हि प न म ध्वनी च गु र्द हा र व
न स स्व र्ग न म ध्व पा ना ल स गि र व न स. द व ला क दे ग ला क म न रु लो क पं की व ३५
न रु रु रु ल रु रु की ल प न ग स क ल यां द द य स च दा आ गु र हा न न द दा दि ना
ना ध म रु न प नि पू र्ण रु य कं वि य रु य मा ल ध र्क दा दा आ. द वी न रु ल सां वि य पा थ

धुनाकुलपालयामनवांछापूर्वकयमालधसमानसमुत्तीपादीदगउलीस्थान
सनस्वगीधर्कपूजामान्ययायमालधर्कवियाओजनधनकयाओविश्वानं॥ध
नलिश्रीसनस्वगीनकुलसामहाहर्वमानयादाओचत्रमसराकपयाओधओध
यसंओनं॥४७॥ ॥धनंलिखओयावपिकूनीनओनधयसहीमहालक्ष्मी
०उत्पत्तिकयाओश्रीकमलाक्षीदवीष्टीदिगंवनाथागिनीष्टीप्रिकूटध्वनमहा
देवउत्पत्तिकयाओगिवजकिस्वनूकयाओविश्वानं॥धुत्तीधयसंयागह
मीकुलःधधयसजानध्वनओयाओयागधनयादाओचानंहुनंअस्मिऊ
पनिओयाओनपस्यायादाओचानं॥धवलसपनमध्वनीस्वसिकयाओआरू

दयकलं हा जात्र न्धन अरु सिद्ध कमी सक ०२ च्छा रु ल उ गु ली धा डा ध के आ हा द
 य का डा जात्र न्धन अरु सिद्ध प नि स न रु ल सा वि न नि या न ॥ ह प न म ध्व न जि
 मि न अरु सिद्ध रु य का डा चित्र उ ही वि रु य का डा वि स वि श्वा य मा ल ध के रु
 दा डा प न म ध्व नी न रु ल सा वि य धू ना ध के आ हा द य का डा वि श्वा न ॥ ध न लि
 अरु सिद्ध प नि स न रु ल सा धा उ ॥ प चान द पू जा या दा डा व डा का या डा म हा
 आ न न्द या दा डा ध डा ध य स वा न डा न ॥ ध न लि द वी न र्ज न ध्वा न रु या डा वि श्वा
 न ॥ ४८ ॥ ॥ ध न लि दू ग थ या का च कू नी न डा न ध स उ डा न पी ० उ त्प रु या डा
 धा पि प न सु न्द नी द वी धी धु का द नी या गि नी धी रे न व ध्व न म हा द व उ त्प रि

३५

पीथ

श्याउाठिवठकिस्वरूपश्याउाविज्ञानं॥धनीलिधगुलीधयसज्रा
नन्दरुमीशर्लःधधयसमद्यनाऊउायाउाजनकप्रकात्रहापूजा
पादाउासदायादाउावानःधवलसपत्रमध्वनीखसिद्ध्याउाहा
मद्यनाऊऊनगपस्यानतिजुमिसकाखइयधनाऊनगकुधया
धउाधर्कज्राहादयकाउाविज्ञानं॥मद्यनाऊपनिमनइलसांवि
नतियानं॥हपत्रमध्वनीजिमिसनधर्मासात्रसदकजीवात्मार्षिग
ऊलदानयायइयर्कवर्षासमयसऊलथलइयकःएत्रपूर्वुइः
यकवागनकइयर्कपसन्नइसविज्ञायमालेधर्कधयाउाःपत्रम

ध्वनीनरुलसौकुमिसनधया(थेनथासुशयमाधकंआहादयका
अविज्ञानं॥धनलिमयेनाऊपनिसनषाउ(हमपवानहंपूजाया
हाउरुकाऊपध्वनसुगयाहाउचत्रहसराकपूयाउवदाका
याउलिहाउनी॥दवीनअनध्वनयाहाउविज्ञानं॥४२॥ ॥ध
नलिकांवेदकैलेदगुदनीनउनथयसंश्रुकायाकुपपी०उस्य
हिरयाउशीकुपध्वनीदवीशीमायायागिनी.शीपिहमवध्वनमः
हादवउस्यहिरयाउषिवधकिस्वरूपश्याउविज्ञानं॥धधय
सपूवधरुमीरुल.धधयस.अस्ताम.अस्तहेनवपनिउयाउअ

३१

पीथ

योगमाथन. नाना राग विया उ. नाना विधि पूर्व कन पूजा या दा उ. चान. थ व
लस ॐ ध्वनी निफ रुया उ. महा हर्ष मान रुया उ. श्री पत्र म ध्वनी न प्रग क
रुया उ. आह्लाद य कर्त्त. रा रे त्रव ग छ प नि कु मी स रा उ. र कि न डि अ नि स
गा ख रु य ध ना. आ उ कु प नि स न. क हा का धा उ. ध क आह्लाद य का उ. वि
द्या र्ग ॥ ध न लि रे त्रव ग छ प नि स न. क ल सा आह्लाद य कर्त्त. रु प त्र म ध्व
नी धी कु ग ध्वनी द वी जि प नि स म वे गा म खू कु ध ल सा थ पृ चि वी स द कः
मा गृ का ग छ स ना य क रु य क अष्ट रे त्रव धा य क पु स न रु स वि द्या य माल
ध क हा का उ. प त्र म ध्वनी न क ल सा वि य ध ना ध क आह्लाद य का उ. वि द्या

न॥ धनं लिख्यते न वपनि न शतसंमहाहर्षमानयादाउषाउल्लापवान
तपूजायादाउः वेताकायाउमागृकागक्षयानायकशयाउविद्यान॥ धनं
लिख्यते न वपनि न शतसंमहाहर्षमानयादाउविद्यान॥ ५०॥ ॥ धनं लिख्यते विवीमलुलम
ल्लसः सगीदवीयाधनीनयालापनाश्कनीनडानथसः पी० उत्पत्तिशया
उगुरवः उनपक्षसपी० प्रमुरवेन कसकाटित्या॥ १०००००००॥ थूलिपी० उ
त्पत्तिशयाउः टटिहाकाटिदवगायदगन्धर्वकिंनरदेहदानवजुव
सुदहादिगपालादिदिनवगुः नात्रदप्रहृतिमपिलाकः सकल्यं उद्धा
नरुतागुरवः सकल्यनं वनदानलंकगुरवः॥ धनं लिख्यते दवगायागुनृदहस्य

३८

पीथ

नीनरुतसां. असंशयति. आग्यश्च प्रमाननयहृयादाडा. धाउसापचात्रहापू
 जायादाडा. रुकाऊपधमनकी. जयादाडा. पी० पतिथ. धयादाडा. पत्रमध्वनी
 सकोणशयका. अविज्ञानी ॥ ७॥ निधी जगत्सुमानसंवाद. धीवक्ताविनवि
 र्तीयोभवगात्रपी. (अत्यंतिकधसंपूर्णम् ॥ ८॥ धनलिधीमहादवनरु
 लसांसतीदवीया. धात्रीनथडा. कमदयोनिसद्वर्क. हलपमरुस्थ. सतीदवीया
 अनेगगुहलूमनका. डा. हासती. २धर्कहाहात्कात्रदाखाया. डा. यमेलपा. डा. रुत
 हर्न. पृथिवी. ग्वल. गुला. डा. मूर्च्छा. शया. डा. चान. हुन. डा. पद. डा. हा. य. प्रा. २ध
 कं. न. ग. ल. दा. या. डा. चान. धी. महादवया. प्रा. वल्ल. रु. शया. डा. चो. रु. रु. सतीदवीया
 म२

रत्नलोक

अनन्यगुणलसुमहाउमाकयानी कामकलासुमहाउमा अनन्यमुखे अर्धनलसुमहा
उल्लासकयानी ॥ यथिगुसमीदवीयाहानीन च्छुगुलीहानीनहाउतपके समस्वरूप
रुयाउ. हिवहाकि. स्वरूपरुयाउ विद्याक. रुनंदवलाक दानवलाक. मपिलाक
नंधर्वकिंनरमनरुलागलाक. पनितपी अवगात्ररुयाउ अनन्यगवतदानविद्या
उमाद्विद्याउ. दत्रहानविद्याउ विद्याक. यथिद्वपत्रमध्वनीयाउनपके
हापी०स. ग्यद्वसनधपी० च्छुगुलीखनंदनसनयायूडाकयागमाकलायू
महापदविलायू थद्वयाऊ नकातउयायासाहल्यधायः ग्यद्वसनं च्छुगुलि
पी०खनंदहानमयायूडाकयाऊ नकाउयायावृथाकयू. थाथन च्छुगुलीपीः

३२
पीथ